मार्च, 1955 में श्रम उत्पादिता में सुधार करने हेतु एक प्रोत्साहन योजना लागू की गई थी जो संयंत्र के विभिन्न उत्पादन सेक्शनों में धीरे-धीरे लागू की जा रही है ।

INCORPORATION OF UNIVERSAL DESIGNS

*762. SHRI S. C. SAMATNA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether a new public limited company styled as Universal Designs has been incorporated in New Delhi recently;

(b) what are the proposed business lines of this company;

(c) whether any American national of Indian origin is behind the promotion of this company; and

(d) whether any former Additional Secretary to the Union Government is still connected with this company?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) No company styled as Universal Designs has been registered under the Companies Act, 1956 in Delhi. However, a company by the name of Universal Design Systems (India) Pvt. Ltd. was registered under the Act in Delhi on the 5th September, 1969.

(b) The principal line of business of the company as stated in its Memorandum of Association is to function as Industrial and Technical Consultants.

(c) One of the promoters of the Company, Shri A. K. Bahn is an American National of Indian origin.

(d) Shri S.K. Kanjilal, one of the directors of the company was a Senior Member of the P. & T. Board and ex-officio Additional Secretary to Government.

ALLOTMENT OF STEEL TO SMALL SCALE INDUSTRIES

*763. SHRI D. N. PATODIA : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether Government, in making allotment of steel to small-scale industries, are guided by any yardstick which is based on the capacity of the respective unit and its potency for production;

(b) whether in the absence of any such yardstick, the need of the small-scale industry is affected seriously; and

(c) if so, whether Government propose to undertake, such a study and, if so, when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI K. C. PANT) : (a) and (b). Allocations of scarce categories of steel are made by the Joint Plant Committee and not by Government. In respect of small scale industries bulk allocations are made by this Committee to the Development Commissioner, Small Scale Industries who in his turn makes allocations to the State Directors of Industries. The JPC's allocation to the Commissioners is on the basis of the allocations made and actually utilised by the latter in the previous year. It is, however, open to the State Directors to distribute the bulk allocations received by them to the units in their States in any manner they consider fit.

(c) There is no proposal at present to undertake a study in this regard.

JANHIT TRUST

*764. SHRI RAM SWARUP VIDYARTHI :
SHRI KANWAR LAL GUPTA :
SHRI RAM SINGH AYARWAL:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state the net loss or profit of the Janhit which publishes the "National Herald" in the last three years?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : The Janhit Trust is not a company registered under the Companies Act. Hence the information asked for, relating to the trust, is not available with the Department.

ADIVASI TEA-WORKERS OF ASSAM

*765. SHRI HEM BARUA : Will the Minister of LAW AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether the Adivasi tea-workers of Assam are proposed to be brought under

the general purview of benefits for Adivasis in the country; and

(b) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE (DR. (SHRIMATI) PHULRENU GUHA): (a) and (b). The matter was considered by the Joint Committee on the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Bill, 1967, and has submitted its Report to the House on the 17th November, 1969.

**भारत में बनी सिगरेटों के पैकिटों पर विदेशों के नाम**

*766. **श्री रामगोपाल शालवाले :**
**श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
**श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
**श्री रणजीत सिंह :**

क्या औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशी सहयोग से सिग्रेट बनाने वाली कम्पनियां अपनी सिग्रेटों के पैकिटों पर भारत की बजाय विदेशों के नाम मुद्रित करती हैं ताकि भारतीय उपभोक्ता उन्हें भूल से आयातित समझें, और इससे भारतीय कम्पनियों को धक्का पहुंचता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार भारत में सिग्रेट बनाने वाली सभी कम्पनियों को यह निर्देश देने का है कि वे इस जालसाजी को समाप्त करने की दृष्टि से अपने सिग्रेट पैकिटों पर 'मेड इन इण्डिया' मुद्रित करें; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद)** : (क) विदेशी सहयोग से सिग्रेटों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों द्वारा सिग्रेट के पैकेटों पर निर्माण करने वाले देश के गलत नाम छापने में बारे में इस मंत्रालय को कोई शिकायत उपलब्ध नहीं हुई है ।

(ख) और (ग). 28 अप्रैल, 1962 को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार सभी वस्तुओं पर जिनमें सिग्रेट भी सम्मिलित हैं उनका मूल उत्पादन स्थान दिखाना आवश्यक है । इस अधिसूचना के अनुसार भारत में बने, निर्मित्त अथवा उत्पादित सिग्रेट पैकेटों पर देश में बिक्री के समय यह अंकित होता है कि यह भारत में बने, निर्मित तथा उत्पादित हैं ।

**रेलवे कर्मचारियों पर आक्रमण**

*767. **श्री शिव कुमार शास्त्री** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन विशिष्ट क्षेत्रों के क्या नाम हैं जहां पिछले दो वर्षों के दौरान रेलवे कर्मचारियों पर आक्रमण की घटनाएं हुईं;

(ख) क्या इन घटनाओं में कुछ रेलवे कर्मचारी मारे गए थे; और

(ग) यदि हां, तो इन क्षेत्रों में रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिये क्या प्रबन्ध किये जा रहे हैं ?

**विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन)**:(क) पिछले दो वर्षों के दौरान सभी रेलों में भिन्न-भिन्न स्थानों पर, रेल कर्मचारियों पर हमले किये जाने की घटनाएं घटित हुई हैं;

(ख) जी हां ।

(ग) रेल परिसर तथा रेल गाड़ियों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों/राज्य सरकारी रेलवे पुलिस की है । सरकारी रेलवे पुलिस के साथ हर समय निकट समन्वय रखा जाता है और जब गम्भीर अपराध की कोई घटना घटित होती है और किसी क्षेत्र या गाड़ी विशेष में आपराधिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं, तो